हिन्दी विभाग

पाठ्यक्रम परिणाम (Course Outcome) सी.ओ. (C.O.)

बी.ए. प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

केवल प्रश्न–पत्र :– हिन्दी काव्य

सी.ओ. 1: भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य का इतिहास लेखन काल, विभाजन, नामकरण एवं साहित्यिक प्रवृत्तियों के विषय से विद्यार्थी अवगत होगा।

सी.ओ. 2: आदिकालीन, साहित्य जिसमें सिद्ध, नाथ, जैन, रासों और लौकिक साहित्य के अन्तर्गत गोरखनाथ, अमीर खुसरों आदि कवियों की कविताओं के विषय में विद्यार्थी संक्षिप्त जानकारी प्राप्त करेगा।

सी.ओ. 3: भक्ति आंदोलन के उदय और उसके प्रमुख संप्रदाय एवं उनकी वैचारिकी के विषय से विद्यार्थियों को सूक्ष्म अवलोकन कराना।

सी.ओ. 4: भक्तिकालीन निर्गुण कवियों कबीरदास और मलिक मोहम्मद जायसी की कविताओं से परिचित होगा।

सी.ओ. 5: भक्तिकालीन प्रमुख सगुण कवियों सूरदास तथा तुलसीदास के काव्य पंक्तियों की सूक्ष्म व संक्षिप्त जानकारी प्रदान करना।

सी.ओ. 6: रीतिकाल की पृष्ठभूमि, नामकरण से परिचित कराते हुये विद्यार्थियों को रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख भेदों का परिचय देना।

सी.ओ. 7: रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त कवियों केशवदास, बिहारीलाल और घनानन्द की कविताओं का संक्षिप्त ज्ञान विद्यार्थियों को प्राप्त होगा।

सी.ओ. 8: आधुनिक कालीन काव्य के इतिहास के अंतर्गत उसकी सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियों व नामकरण आदि का अध्ययन विद्यार्थी करेगा।

सी.ओ. 9: '1857' का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम और सांस्कृतिक पुनजागरण, हिन्दी नवजागरण, भारतेन्दु युग से लेकर समकालीन कविता के प्रमुख साहित्यकारों की रचनाओं और साहित्यिक विशेषताओं के विषय से विद्यार्थी अवगत होगा।

सी.ओ. 10: आधुनिक काल क अंतर्गत भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा की प्रमुख रचनाओं एवं उनकी वैचारिकी से छात्रों को अवगत कराना।

सी.ओ. 11: छायावादोत्तर कवियों अज्ञेय, मुक्तिबोध, नागार्जुन, धर्मवीर, भारती, धूमिल, आदि, कवियों की प्रमुख रचनाओं और उनके विचारों का विद्यार्थियों को सम्यक् ज्ञान प्रदना करना।

सी.ओ. 12: हिन्दी साहित्य में शोध के अंतर्गत विद्यार्थियों को साहित्य में शोध की प्रविधियों एवं इसके महत्व से अवगत कराना।

बी.ए. प्रथम वर्ष– (द्वितीय सेमेस्टर)

केवल प्रश्नपत्र :–कार्यालयो हिन्दी और कम्प्यूटर

सी.ओ. 1:– कार्यालयी हिन्दी का स्वरूप, संकल्पना, उद्देश्य, क्षेत्र संभावनाओं के साथ–साथ विद्यार्थी कार्यालयी हिन्दी तथा सामान्य हिन्दी के सम्बन्ध और कार्यालयी कार्यकलाप की सामान्य जानकारी से अवगत हो।

सी.ओ. 2– कायालयी हिन्दी में प्रयुक्त परिभाषिक शब्दावली, उसके निर्माण के सिद्धांत, कार्यालयों एवं अधिकारियों के नाम, पदनाम, संबोधन आदि के साथ–साथ विद्यार्थी प्रशासनिक एवं विधिक शब्दावली से परिचित होगा।

सी.ओ. 3:– विद्यार्थी विभिन्न प्रकार के सरकारी एवं गैर–सरकारी पत्राचार, ज्ञापन, अधिसूचना, विज्ञापन, निविदा, सकंल्प, प्रेस, विज्ञप्ति आदि का ज्ञान प्राप्त करेगा।

सी.ओ. 4– हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर का विकास क्रम, सामान्य परिचय कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा के विकास, इतिहास एवं भविष्य के बारे में जानकारी प्राप्त कर रोजगार की सम्भावनाएं खोज सकेगा।

सी.ओ. 5– प्रारूपण, टिप्पड, संक्षेपण, पल्लवन व प्रतिवेदन के स्वरूप से विद्यार्थी परिचित होगा। साथ ही, प्रतियोगी परीक्षाओं में इनसे सम्बन्धित पूछे जाने वाले प्रश्नों का वह सहजतापूर्वक उत्तर दे सकेगा।

सी.ओ. 6– हिन्दी भाषा में कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी विभिन्न रूपों यथा इंटरनेट और हिन्दी ईमेल विभिन्न हिन्दी साफ्टवेयर एवं वेबसाइटों के साथ–साथ विद्यार्थी सोशल मीडिया पर हिन्दी लेखन के कौशल को भी विकसित कर सकेगा।

सी.ओ. 7– हिन्दी भाषा और ई–शिक्षण अधिगम से विद्यार्थी परिचित होगा। इसके अंतर्गत ई पत्र पत्रिकाएं, इंटरनेट दृश्य–श्रव्य सामग्री, ब्लॉग, फेसबुक, ई–पुस्तकालय सामग्री, सरकारी व गैर सरकारी चैनल (ज्ञानदर्शन ई–पाठशाला स्वयं, मूक्स आदि) विद्यार्थियों को हो सकेगा।

सी.ओ. 8– हिन्दी कम्प्यूटर टंकण एवं शार्टहैण्ड का सैद्धांतिक पक्ष और हिन्दी साहित्य में शोध ई को सम्भावनाओं का ज्ञान विद्यार्थियों को होगा। इसके साथ ही हिंदी भाषा के विभिन्न फॉन्ट यूनिकोड स्पीच टू टेक्स्ट, हिन्दी पीपीटी स्लाइड एवं पोस्टर निर्माण आदि का संक्षिप्त और सारगर्भित अध्ययन विद्यार्थियों द्वारा किया जायेगा।

बी.ए. द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

केवल प्रश्न–पत्र :–हिंदी गद्य –

सी.ओ. 1: हिन्दी गद्य साहित्य के संक्षिप्त इतिहास के अतर्गत हिन्दी नाटक, आलोचना, कहानी और उपन्यास के उदभव और विकास के विषय का अध्ययन विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगा

सी.ओ. 2: हिन्दी गद्य की महत्वपूर्ण विधाओं आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा–वृतांत, निबन्ध, एकांकी, डायरी आदि के विषय में संक्षिप्त इतिहास और विकास यात्रा बताते हुए इन सभी विधाओं से परिचित कराना, ताकि इच्छुक छात्र इस क्षेत्र में कैरियर बनाने हेतु तैयार हो सके।

सी.ओ 3: हिन्दी उपन्यास के अंतर्गत वृदांवन लाल वर्मा कृत ऐतिहासिक उपन्यास **झांसी की रानी** के माध्यम से उपन्यास विधा की मूलभूत व रोचक जानकारी विद्यार्थियों को प्रदान करना।

सी.ओ. 4: हिंदी कहानी के अंतर्गत प्रमुख कहानियों जैसे मुंशी प्रेमचन्द्र की 'पंच परमेश्वर', जैनेन्द्र कृत 'पाजेब', अज्ञेय कृत 'गैंग्रीन', यशपाल कृत 'पर्दा', फणीश्वर नाथ 'रेणु', कृत 'तीसरी कसम', ज्ञानरंजन कृत 'पिता' आदि से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

सी.ओ. 5: हिंदी नाटक व एकांकियों में जयशंकर प्रसाद कृत 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक एवं रामकुमार वर्मा कृत 'दीपदान' और उपेन्द्रनाथ अश्क कृत 'लक्ष्मी का स्वागत' एकांकी की जानकारी विद्यार्थियों को प्रदान करना।

सी.ओ. 6: हिन्दी निबंध विधा के अंतर्गत भारतेन्दु हरिश्चन्द्र कृत 'भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है', आचार्य शुक्ल कृत 'मित्रता', आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी कृत 'अशोक के फूल', कुबेर नाथ राय कृत 'उत्तरा फाल्गुनी के आसपास', डॉ0 विद्यानिवास मिश्र कृत 'तुम चन्दन हम पानी' आदि से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

सी.ओ 7: कथेतर गद्य विधा के अंतर्गत गिल्लू (रेखाचित्र) 'तीस बरस का साथी' 'कलम का सिपाही' (जीवनी अंश) 'ऋण जल धन जल' (रिपोर्ताज) 'भोला राम का जीव' (व्यंग्य) मेरी तिब्बत यात्रा (यात्रा वृत्तांत) एक लेखक की डायरी (डायरी) 'मैं इनसे मिला' (इंटरव्यू) 'जूठन' (आत्मकथा) आदि विधाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

केवल प्रश्न–पत्रः– हिन्दी अनुवाद

सी.ओ. 1: अनुवाद की अवधारणा, महत्व, परिभाषा, लिप्यांतरण एवं मशीनी अनुवाद आदि में अनुवादक के गुण एवं उनके दायित्व बताते हुए विद्यार्थियों हेतु रोजगार की सम्भावनाओं को बताना।

सी.ओ. 2: अनुवाद के क्षेत्र, प्रकार तथा हिन्दी अंग्रेजी अनुवाद की समस्याओं एवं समाधान को बताते हुए इच्छुक विद्यार्थियों को अनुवादक के रूप में तैयार करने के लिए प्रेरित करना।

सी.ओ. 3: अनुवाद की विभिन्न सामाजिक सांस्कृतिक बहुभाषिक समाज में अनुवाद की उपयोगिता को बताते हुए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्कृति से परिचित करवाना।

सी.ओ. 4: अनुवाद के साधनों में विभिन्न प्रकार के कोशों के उचित उपयोग, उचित स्थान पर अनुवादित शब्दों का प्रयोग।

सी.ओ. 5: पारिभाषिक शब्दावली के अंतर्गत सामान्य एव पारिभाषिक शब्दों की अनुवाद में भूमिका और पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत और प्रक्रिया के विषय से अवगत कराते हुये विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में रोजगार के लिए प्रेरित करना।

बी.ए. तृतीय वर्ष : पंचम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न–पत्र : साहित्यशास्त्र और हिंदी आलोचना

सी.ओ. 1: काव्य शास्त्र के अंतर्गत काव्य प्रयोजन काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य का स्वरूप और आत्मा के विषय में जानकारी देना, ताकि विद्यार्थी प्राचीन भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांतों से भली-भाँति परिचित हो सकें।

सी.ओ. 2: भारतीय काव्य सिद्धांत, अलंकार रीति, रस, वक्रोक्ति ध्वनि, औचित्य सिद्धांतों के विषय में संक्षिप्त जानकारी देना ताकि विद्यार्था यथास्थान इनका उचित प्रयोग कर सकें।

सी.ओ. 3: भारतीय काव्य शास्त्रीय अवधारणाएँ, काव्यगुण, शब्दशक्ति तथा काव्य दोषों से विद्यार्थियों को परिचित करना।

सी.ओ. 4: भारतीय नाट्यशास्त्र का सामान्य परिचय तथा रंगमंचीय विशेषतओं के विषय में बताना ताकि इच्छुक विद्यार्थी कैरियर के रूप में इनका चुनाव कर सकें।

सी.ओ. 5 : पाश्चात्यकालीन काव्य शास्त्र के अंतर्गत अरस्तू, कॉलरिज, वड्सवर्थ और टी.एस. इलियट आदि पाश्चात्य समीक्षकों के काव्यशास्त्रीय मान्यताओं की विद्यार्थियों को संक्षिप्त जानकारी प्रदान करना।

सी.ओ. 6: हिंदी आलोचना का इतिहास एवं उसकी प्रमुख सैद्धांतिकी से हिंदी के विद्यार्थियों को अवगत कराना।

सी.ओ. 7: समीक्षा की विचारधाराओं क अंतर्गत नई समीक्षा, नवशास्त्रवाद, यथार्थवाद, अभिजात्यवाद, नव-अभिजात्यवाद, कलावाद, बिम्बवाद, प्रतीकवाद, संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, विखण्डन आदि के समकालीन समीक्षा सिद्धांतों सम्यक् ज्ञान से विद्यार्थी अवगत होगा।

सी.ओ. 8: प्रमुख हिन्दी आलाचकों के अंतर्गत आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, मुंशी प्रेमचन्द, प्रसाद, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डा0 नगेन्द्र, डा0 रामविलास शर्मा, डा0 नामवर सिंह, मुक्तिबोध आदि के प्रमुख एवं मूलभूत आलोचना दृष्टि से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

पंचम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र : हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य

सी.ओ. 1: वीरगाथाकाल के राष्ट्रीय काव्य के अंतर्गत चन्दबरदाई (पृथ्वीराज रासो) जगनिक (आल्हाखण्ड) आदि कवियों के विषय में विद्यार्थियों का ज्ञानबोध कराना।

सी.ओ. 2: भक्तिकाल एवं रीतिकाल के राष्ट्रीय काल के अंतर्गत गुरू गोविंद सिंह एवं भूषण जैसे वीरगाथात्मक कवियों स विद्यार्थियों को अवगत कराना ताकि विद्यार्थी इन कवियों के माध्यम से मध्यकालीन प्रतिरोधात्मक राष्ट्रीय काव्य से परिचित हो सकें।

सी.ओ. 3: भारतेन्दु युग एव द्विवेदीयुगीन काल के अंतर्गत भारतेन्दु हरिश्चन्द्र अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' एवं मैथिलीशरण गुप्त आदि कवियों के राष्ट्रीय चेतना से अनुप्राणित काव्य का रसास्वादन करवाकर विद्यार्थियों को तत्कालीन राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम और भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता की मूलभूत जानकारी से विद्यार्थी परिचित होगा।

सी.ओ. 4: छायावाद युगीन राष्ट्र काव्य के अंतर्गत जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' माखनलाल चतुर्वेदी, सुभद्राकुमारी चौहान आदि साहित्यकारों की राष्ट्रीय कविताओं से विद्यार्थी को अवगत होगा।

सी.ओ. 5: छायावादोत्तर राष्ट्रीय काव्य के तहत बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' रामधारी सिंह 'दिनकर' श्यामलाल गुप्त 'पार्षद' आदि राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना वाले कवियों की ओजस्वी वाणी से विद्यार्थी परिचित होगा।

सी.ओ. 6: समकालीन राष्ट्रीय कवियों में श्यामनारायण पाण्डेय, द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी, गोपाल प्रसाद व्यास, सोहन लाल द्विवेदी, अटल बिहारी बाजपेयी, डॉ0 रमेश पोखरियाल 'निशंक' आदि राष्ट्रीय चेतना कवियों से विद्यार्थी परिचित होगा।

सी.ओ. 7: हिंदी फिल्म गीतों में राष्ट्रीय काव्य चेतना की झलक बराबर मिलती रही है। इस लिहाज से विद्यार्थियों को इसका परिचय कराना अति आवश्यक है। कवि प्रदीप, 'साहिर लुधियानवी', 'प्रेम धवन' नीरज, गोपालदास, कैफी आजमी, राजेन्द्र कृष्ण, गुलशन बावरा, इंदीवर, प्रसून जोशी द्वारा हिंदी फिल्मों हेतु लिखे राष्ट्रीय गीतों एवं कविताओं से विद्यार्थियों को परिचित करवाकर उन्हें दृश्य–श्रव्य राष्ट्रीय काव्य का ज्ञान सम्पूर्णता में प्रदान कराना है।

बी.ए. तृतीय वर्ष:– षष्ठ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र : भाषा विज्ञान हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि

सी.ओ. 1: भाषा एवं भाषा विज्ञान से परिचय कराते हुए उसके स्वरूप, अभिलक्षण प्रकार एवं क्षेत्र का परिचय कराना, ताकि विद्यार्थी भाषा एवं भाषा विज्ञान की सूक्ष्मता को समझ सक।

सी.ओ. 2: भाषिक संरचना के अन्तर्गत ध्वनि, शब्द, रूप, वाक्य प्रोक्ति एवं अर्थविज्ञान का अध्ययन करते हुए विद्यार्थी व्याकरणिक संरचना का सफल संयोजन कर सके।

सी.ओ. 3: हिंदी भाषा की उत्पत्ति तथा विकास के क्रम में हिन्दी से पूर्व की भाषाओं का अध्ययन कराना भी प्रमुख उद्देश्य है।

सी.ओ. 4: हिंदी शब्द परंपरा के अंतर्गत हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण कर वर्णों की वैज्ञानिकता से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

सी.ओ. 5: हिन्दी की उपभाषाओं तथा बोलियों का परिचय कराते हुए हिंदी की बोलियों का क्षेत्र एवं उसके महत्व को बताना ताकि विद्यार्थी क्षेत्रीय भाषा एवं बोलियों से भली भांति परिचित हो सक।

सी.ओ. 6: विद्यार्थियों को हिंदी की वैधानिक तथा संवैधानिक स्थिति के अतर्गत संविधान में इन अनुच्छेदों से परिचित कराना, जिसमें हिन्दी भाषा का प्रावधान किया गया है।

सी.ओ. 7: देवनागरी लिपि के नामकरण, उद्भव व विकास, उसकी वैज्ञानिकता एवं समस्याओं से परिचय कराना ताकि विद्यार्थियों को भाषायी शुद्धता का ज्ञान हो सके।

सी.ओ. 8: क्षेत्रीय बोली का विशेष अध्ययन कराते हुए विद्यार्थियों को क्षेत्रीय बोली एवं साहित्य का ज्ञान हो सके, जिससे वे क्षेत्रीय बोली एवं भाषा में साहित्य सृजन कर सके।

द्वितीय प्रश्न–पत्र : लोकसाहित्य एवं लोकसंस्कृति

सी.ओ 1: लोक साहित्य का सामान्य परिचय देकर विद्यार्थियों को लोक साहित्य की परिभाषा, इसके क्षेत्र एवं वर्गीकरण से परिचित कराना।

सी.ओ. 2: लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य के पारस्परिक संबंधों से विद्यार्थियों को अवगत कराना ताकि विद्यार्थी भारतीय परिप्रेक्ष्य में शिष्ट साहित्य के बरक्स लोक साहित्य के स्वरूप व विकास से विद्यार्थी परिचित हो सके।

सी.ओ. 3: विद्यार्थी लोक साहित्य, लोक संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता के अंर्तसम्बन्धों की जानकारी प्राप्त करेगा।

सी.ओ. 4: विद्यार्थी लोक साहित्य का संकलन संरक्षण एव संवर्धन के प्रति प्रवृत्त होगा जिससे राष्ट्रीय जीवन में लोक साहित्य का महत्व अक्षुण्ण रहे।

सी.ओ. 5: लोक साहित्य की विविध विधाओं से विद्यार्थी का परिचय करवाकर भारत की व्यापक एवं विस्तृत लोकगीत, लोकगाथा, लोककथा, लोकनाट्य, लोकनृत्य एवं लोक संगीत का उनके जीवन में इनका आत्मसातीकरण कराना है।

सी.ओ. 6: लोक का प्रकीर्ण साहित्य जिसके अंतर्गत लोकोक्तियां, मुहावरे एवं पहेलियां एवं उनके महत्व से विद्यार्थी अवगत होगा।

सी.ओ 7: हिन्दी के लोक साहित्य का विकास क्रम उसके इतिहास: अध्ययन की आवयकताए एवं सीमाओं से विद्यार्थी भली भाँति परिचित होगा।

विभागाध्यक्ष
HoD

एन.ए.ए.सी. संयोजक
Convener of NAAC

आई.क्यू.ए.सी. संयोजक
Convener of IQAC

प्राचार्य
Principal
PRINCIPAL
PT. PRITHI NATH COLLEGE
KANPUR